IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 2, March 2024

# बीएड प्रशिक्षणार्थियों के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन

मनोज कुमार श्रीवास्तव[1] एवं प्रो. संदीप कुमार श्रीवास्तव[2]
शोध छात्र, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या उ. प्र.[1]
श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज, गोण्डा उ. प्र.[2]
manojbnkb@gmail.com and sandipedu67@gmail.com

वर्तमान समय में जीवन की जटिलताओं, व्यस्तताओं, सामाजिक सम्बन्धों में हुए संरचनात्मक परिवर्तनों एवं सामाजिक तथा व्यक्तिगत तनावपूर्ण परिस्थितियों के कारण जनित मानव जीवन शैली में समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि की महत्ता दिन प्रतिदिन बढती जा रही है। एक शिक्षक के व्यक्तिगत जीवन, अंतर्वैयक्तिक सम्बन्धों एवं व्यावसायिक जीवन के प्रबन्धन हेतु समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि प्रभावी जीवन कौशलों की भांति उपयोग किये जा सकते हैं। इस हेतु आवश्यक है कि व्यक्ति के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य अन्तर्वलित सम्बन्धों का अध्ययन किया जाए। प्रस्तुत अध्ययन बीएड प्रशिक्षणार्थियों के समायोजन का उनकी सामाजिक बुद्धि से अंतर्संबंध ज्ञात करने के उद्देश्य से किया गया। प्रस्तुत अध्ययन हेतु शैक्षिक शोध की वर्णनात्मक शोध विधि के अन्तर्गत सर्वेक्षण अनुसंधान का प्रयोग किया गया। अध्ययन हेतु 100 छात्राध्यापकों एवं 100 छात्राध्यापिकाओं के प्रतिदर्श का चयन सरल दैव प्रतिदर्श चयन विधि द्वारा अम्बेडकरनगर जनपद में संचालित उन उच्च शिक्षा संस्थाओं से किया गया जिनमें बीएड का पाठ्यक्रम संचालित होता है। चयनित प्रतिदर्श पर सिन्हा एवं सिंह द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत समायोजन परिसूची एवं गणेशन एवं चड्ढा द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत सामाजिक बुद्धि मापनी का प्रशासन कर प्रदत्तों का संकलन किया गया। संकलित प्रदत्तों का उचित व्यवस्थापन करने के उपरान्त सहसम्बन्ध गुणांक की गुणनफल आघूर्ण विधि का प्रयोग कर सहसम्बन्ध गुणांक की गणना की गयी।

प्रमुख पद- बीएड प्रशिक्षणार्थी, समायोजन, सामाजिक बुद्धि

सामाजिक बुद्धि अन्यों के साथ अन्तर्क्रिया करने, उनको समझने, सामाजिक परिस्थितियों से स्वयं को अनुकूल बनाने एवं अन्यों के साथ सामाजिक सम्बन्ध बनाने की योग्यता है। सामाजिक बुद्धि के अभाव में मनुष्य का सामाजिक जीवन अत्यंत कठिन हो जाता है। एक शिक्षक समाज का नेता, सुधारक, परिष्करण करने वाला एवं संस्कृति का परिमार्जक होता है। शिक्षक के लिए उसकी व्यावसायिक सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसके विद्यार्थी उसके

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 2, March 2024

साथ कितना आत्मीय एवं सामाजिक रूप से जुड़ाव महसूस करते हैं तथा शिक्षक कितना स्वयं का सामाजिक योगदान प्रस्तुत कर समाजोपोयोगी कार्य करता है। एक व्यक्ति के रूप में शिक्षक की सामाजिक बुद्धि उसकी अनुकूलनशीलता की डिग्री के रूप में व्याख्यायित की जा सकती है। समायोजन की संकल्पना भी इस भौतिक जगत से अनुकूलन स्थापित करने के रूप में प्रारम्भ हुई तथा वर्तमान में मनुष्य द्वारा अपने चारो ओर के सामाजिक, आर्थिक, आध्यात्मिक, पारिवारिक, व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत वातावरण से अनुकूलन के रूप में पुष्पित हुई है। समायोजित होने के लिए एक व्यक्ति को बौद्धिक रूप से सशक्त होना चाहिए। प्रसाद (1987), ने अपने अध्ययन में पाया कि विभिन्न उत्तरदायित्व, समायोजन से सम्बन्धित थे एवं वे समायोजन से प्रभावित होते पाए गए। वॉन (1988) ने अध्यापकों के समस्या समाधान सम्बन्धी व्यवहार का अध्ययन कर यह निष्कर्ष निकाला कि जिन अध्यापकों में यह क्षमता अपेक्षाकृत कम थी उनका अपने विद्यार्थियों से समायोजन निम्न स्तर का था और वे वर्तमान जीवन से मायूस दिखे।

शर्मा और गुप्ता (1993) ने शिक्षकों के समायोजन विषयक शोध-कार्य में यह पाया कि जो अध्यापक अपने घर पर सही ढंग से समायोजन कर लेते थे, जो संवेगात्मक रूप से संतुलित रहते थे अर्थात् भावात्मक समायोजन भी कर लेते थे तथा व्यावसायिक रूप से समायोजनशील थे कुल मिलाकर उनमें समायोजन करने की क्षमता सुविकसित थी वे अन्य अध्यापकों की अपेक्षा कम अवसाद (दुःख) में रहते पाए गए।

सफिन (2003) ने अपने शोध अध्ययन में पाया कि वेतन का शिक्षकों की समायोजन क्षमता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ा और कम वेतन पाने वाले शिक्षक अधिक वेतन पाने वाले शिक्षकों की तुलना में अधिक सन्तुष्ट थे। गुप्ता (2004) ने पाया कि महिलाओं की वृत्तिक समायोजनशीलता पुरुष शिक्षक वर्ग की अपेक्षा अधिक थी। पाण्डेय (2011) ने अपने शोध अध्ययन में पाया कि छात्राध्यापकों एवं छात्राध्यापिकाओं के संस्थागत समायोजन, सामाजिक-मनो-भौतिक समायोजन, व्यावसायिक सम्बन्धगत समायोजन, व्यक्तिगत समायोजन का उनकी शिक्षण सक्षमता पर सार्थक प्रभाव था। वित्तपोषित महाविद्यालयों में बी.एड. छात्राध्यापिकाओं के संस्थागत समायोजन का उनकी शिक्षण सक्षमता पर सार्थक प्रभाव था।

रामावतार (2014) ने पाया कि राजस्थान राज्य में स्थित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों ने व्यक्तित्व के 'आत्मसम्प्रत्यय, मिजाज एवं समायोजन' आयामों पर अधिक बल दिया। इसी प्रकार रॉय (2001) ने आर्थिक-सामाजिक परिस्थिति के तनाव के कारण व्यक्ति के व्यवहार, कार्य और व्यक्तित्व पर होने वाले प्रभावों का

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 2, March 2024

अध्ययन कर निष्कर्ष प्राप्त किया कि सामाजिक बुद्धिमत्ता व्यक्ति के कार्यों पर सार्थक प्रभाव डालती है। राठी (2002) ने अपने शोध के निष्कर्ष रूप में पाया कि सामाजिक बुद्धिमत्ता, व्यावसायिक बुद्धिमत्ता और व्यावसायिक स्व-क्षमता में धनात्मक सहसम्बन्ध है।

कुमार एवं पटनायक (2004) ने स्नातकोतर अध्यापकों की संगठनात्मक वचनबद्धता, सामाजिक बुद्धि कार्य के प्रति अभिवृत्ति एवं सन्तुष्टि का अध्ययन विषय पर शोध किया एवं निष्कर्ष प्राप्त किये कि आयु, लिंग, शैक्षिक अनुभव के आधार पर सामाजिक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है। हसनैन (2011) के निष्कर्ष में कार्यशील महिलाओं में सामाजिक बुद्धि अकार्यशील महिलाओं से अधिक पायी गयी। स्वाति (2019) ने निष्कर्ष में पाया कि सामाजिक सहयोग का सामाजिक बुद्धि पर सार्थक प्रभाव है। इस प्रकार पर्याप्त समीक्षा के उपरान्त यह पाया गया कि बीएड प्रशिक्षुओं की सामाजिक बुद्धि एवं समायोजन के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करने हेतु शोध-कार्य का अभाव है फलतः शोधकर्ताओं द्वारा इस विषय पर शोध-कार्य करने का निश्चय किया गया।

**समस्या कथन**

प्रस्तुत शोध कार्य की समस्या का अंकन निम्नांकित रूप में किया गया-

**बीएड प्रशिक्षणार्थियों के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन**

**अध्ययन के उद्देश्य**

शोध अध्ययन के निम्नांकित उद्देश्य निर्धारित किये गये-

1. बीएड प्रशिक्षुओं के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।
2. बीएड प्रशिक्षुणिओं के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।
3. बीएड प्रशिक्षणार्थियों के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।

**शोध अध्ययन की परिकल्पनाएं**

1. बीएड प्रशिक्षुओं के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।
2. बीएड प्रशिक्षुणिओं के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।
3. बीएड प्रशिक्षणार्थियों के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 2, March 2024

**शोधविधि**

प्रस्तुत शोधकार्य में शोधकर्ताओं द्वारा शोध समस्या की प्रकृति के अनुरूप वर्णनात्मक अनुसंधान विधि के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि द्वारा प्रदत्त संकलन करने का निश्चय किया गया। प्रदत्त संकलन हेतु अम्बेडकरनगर जनपद के शिक्षक प्रशिक्षण के बीएड पाठ्यक्रम संचालित करने वाले उच्च शिक्षा संस्थानों में नामांकित छात्राध्यापकों एवं छात्राध्यापिकाओं की परिमित जनसंख्या से 100 छात्राध्यापकों एवं 100 छात्राध्यापिकाओं का चयन दैव निदर्शन विधि द्वारा किया गया।

**प्रदत्त संकलन उपकरण**

चयनित प्रतिदर्श पर प्रोफ़ेसर ए० के० पी० सिन्हा एवं प्रोफ़ेसर आर०पी० सिंह (2012) द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत कॉलेज विद्यार्थियों के लिए समायोजन परिसूची का प्रशासन कर समायोजन के प्रदत्त प्राप्त किये गए। समायोजन सूची की विश्वसनीयता अर्द्ध-विच्छेदी विधि, एवं परीक्षण पुनर्परीक्षण विधि द्वारा ज्ञात की गयी जो क्रमशः 0.94 एवं 0.93 थी। समायोजन सूची में प्रतिशतांक मानकों का प्रयोग किया गया है। प्रतिशतांक मानक महिलाओं एवं पुरुषों हेतु पृथक-पृथक ज्ञात किये जा सकते हैं।

बीएड प्रशिक्षुओं की सामाजिक बुद्धि का आंकलन करने के उद्देश्य से डॉ० एन०के० चड्ढा एवं डॉ० ऊषा गणेशन (2020) द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत सामाजिक बुद्धि मापनी नामक मानकीकृत परीक्षण का प्रशासन कर प्रदत्तों का संकलन किया गया। मापनी का विश्वसनीयता का गुणांक टेस्ट-रीटेस्ट विश्वसनीयता विधि द्वारा ज्ञात किया गया जोकि सामाजिक बुद्धि की विभिन्न विमाओं हेतु .84 से .97 के मध्य प्राप्त हुई। सामाजिक बुद्धि मापनी में अंकन हेतु स्कोरिंग-की उपलब्ध है, जिसकी सहायता से अंकन सरलता से हो जाता है। सामाजिक बुद्धि मापनी में Z-प्राप्तांक मानकों का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों के औचित्यपूर्ण संकलन के उपरांत प्रदत्तों का सम्यक व्यवस्थापन कर प्रदत्त विश्लेषण किया गया। प्रदत्त विश्लेषण हेतु गुणनफल आघूर्ण सहसम्बन्ध विधि का उपयोग किया गया।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 2, March 2024

**प्रदत्त विश्लेषण**

प्रदत्त विश्लेषण का सारांश तालिका में प्रदर्शित है-

| समूह | चर | मध्यमान (M) | स्वतन्त्रांश (df) | सहसम्बन्ध गुणांक (r) | स्तर | सार्थकता |
|---|---|---|---|---|---|---|
| बीएड प्रशिक्षु | समायोजन | 33.42 | 98 | 0.86 | उच्च धनात्मक सहसम्बन्ध | .01 स्तर पर सार्थक |
| | सामाजिक बुद्धि | 91.04 | | | | |
| बीएड प्रशिक्षुणियाँ | समायोजन | 28.13 | 98 | 0.94 | उच्च धनात्मक सहसम्बन्ध | .01 स्तर पर सार्थक |
| | सामाजिक बुद्धि | 88.23 | | | | |
| बीएड प्रशिक्षणार्थी | समायोजन | 30.77 | 198 | 0.78 | उच्च धनात्मक सहसम्बन्ध | .01 स्तर पर सार्थक |
| | सामाजिक बुद्धि | 89.63 | | | | |

प्रस्तुत शोध कार्य का प्रथम उद्देश्य बीएड प्रशिक्षुओं के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना था। प्रथम उदेश्य के अनुरूप अध्ययन की शून्य परिकल्पना ($H_0$1) 'बीएड प्रशिक्षुओं के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है' थी। प्रथम उद्देश्य की पूर्ति हेतु संकलित प्रदत्तों का मध्यमान एवं पियर्सन गुणनखंड आघूर्ण सहसम्बन्ध गुणांक (r) का मान तालिका में प्रदर्शित है। तालिका के अवलोकन से स्पष्ट है कि बीएड प्रशिक्षुओं के समूह (N=100) के समायोजन का मध्यमान 33.42, तथा सामाजिक बुद्धि के मध्यमान का मान 91.04 था। दोनों चरों के मध्य परिकलित पियर्सन गुणनखंड आघूर्ण सहसम्बन्ध गुणांक का मान 0.86 था जो कि .01 सार्थकता स्तर पर 98 स्वतंत्राश हेतु निर्धारित तालिका मान से अधिक था। अतः शून्य परिकल्पना ($H_0$1) 'बीएड प्रशिक्षुओं के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है' अस्वीकृत की गयी। अतः बीएड प्रशिक्षुओं के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। तालिका के अवलोकन से यह भी स्पष्ट है कि बीएड प्रशिक्षुओं के समूह हेतु दोनों चरों के मध्य परिकलित पियर्सन गुणनखंड आघूर्ण सहसम्बन्ध गुणांक धनात्मक था तथा यह दोनों चरों के मध्य उच्च धनात्मक सहसम्बन्ध का द्योतक था।

प्रस्तुत शोध कार्य का द्वितीय उद्देश्य बीएड प्रशिक्षुणिओं के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना था। द्वितीय उदेश्य के अनुरूप अध्ययन की शून्य परिकल्पना ($H_0$2) 'बीएड प्रशिक्षुणिओं के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है' थी। द्वितीय उद्देश्य की पूर्ति हेतु संकलित प्रदत्तों का मध्यमान एवं पियर्सन गुणनखंड आघूर्ण सहसम्बन्ध गुणांक (r) का मान तालिका में प्रदर्शित है। तालिका के

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 2, March 2024

अवलोकन से स्पष्ट है कि बीएड प्रशिक्षुणिओं के समूह (N=100) के समायोजन का मध्यमान 28.13, तथा सामाजिक बुद्धि के मध्यमान का मान 88.23 था। दोनों चरों के मध्य परिकलित पियर्सन गुणनखंड आघूर्ण सहसम्बन्ध गुणांक का मान 0.94 था जो कि .01 सार्थकता स्तर पर 98 स्वतंत्राश हेतु निर्धारित तालिका मान से अधिक था। अतः शून्य परिकल्पना ($H_0$2) 'बीएड प्रशिक्षुणिओं के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है' अस्वीकृत की गयी। अतः बीएड प्रशिक्षुणिओं के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। तालिका के अवलोकन से यह भी स्पष्ट है कि बीएड प्रशिक्षुणिओं के समूह हेतु दोनों चरों के मध्य परिकलित पियर्सन गुणनखंड आघूर्ण सहसम्बन्ध गुणांक धनात्मक था तथा यह दोनों चरों के मध्य उच्च धनात्मक सहसम्बन्ध का द्योतक था।

प्रस्तुत शोध कार्य का तृतीय उद्देश्य बीएड प्रशिक्षणार्थियों के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना था। तृतीय उदेश्य के अनुरूप अध्ययन की शून्य परिकल्पना ($H_0$3) 'बीएड प्रशिक्षणार्थियों के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है' थी। तृतीय उद्देश्य की पूर्ति हेतु संकलित प्रदत्तों का मध्यमान एवं पियर्सन गुणनखंड आघूर्ण सहसम्बन्ध गुणांक (r) का मान तालिका में प्रदर्शित है। तालिका के अवलोकन से स्पष्ट है कि बीएड प्रशिक्षणार्थियों के समूह (N=100) के समायोजन का मध्यमान 30.77, तथा सामाजिक बुद्धि के मध्यमान का मान 89.63 था। दोनों चरों के मध्य परिकलित पियर्सन गुणनखंड आघूर्ण सहसम्बन्ध गुणांक का मान 0.78 था जो कि .01 सार्थकता स्तर पर 198 स्वतंत्राश हेतु निर्धारित तालिका मान से अधिक था। अतः शून्य परिकल्पना ($H_0$3) 'बीएड प्रशिक्षणार्थियों के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है' अस्वीकृत की गयी। अतः बीएड प्रशिक्षणार्थियों के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। तालिका के अवलोकन से यह भी स्पष्ट है कि बीएड प्रशिक्षणार्थियों के समूह हेतु दोनों चरों के मध्य परिकलित पियर्सन गुणनखंड आघूर्ण सहसम्बन्ध गुणांक धनात्मक था तथा यह दोनों चरों के मध्य उच्च धनात्मक सहसम्बन्ध का द्योतक था।

**शोधकार्य के परिणाम एवं निष्कर्ष**

प्रस्तुत शोध अध्ययन बीएड के प्रशिक्षणार्थियों की सामाजिक बुद्धि एवं उनके समायोजन के मध्य अन्तर्वलित सम्बन्ध के विवेचन हेतु किया गया था। अध्ययन के निष्कर्ष के रूप में यह प्राप्त हुआ कि बीएड प्रशिक्षुओं के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया, बीएड प्रशिक्षुणिओं के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 2, March 2024

मध्य सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया तथा बीएड प्रशिक्षणार्थियों के समायोजन एवं सामाजिक बुद्धि के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। इन निष्कर्षों के प्रकाश में कहा जा सकता है कि प्रशिक्षणार्थियों के सामाजिक चातुर्य के विकसित होने में अनेकों अन्य दत्त एवं अर्जित शील गुणों के साथ-साथ समायोजन की भी आवश्यकता होती है। समाज द्वारा स्थापित शिक्षा संस्थाओं का यह सम्यक दायित्व है कि वे प्रशिक्षणार्थियों में अनेकों शील गुणों के विकास के साथ-साथ समायोजनशीलता का उपयुक्त परिमार्जन करें। प्रस्तुत शोध का शैक्षिक निहितार्थ यही है कि बीएड की शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थाएं प्रशिक्षणार्थियों के सामाजिक रूप से बुद्धिमान होने में उसकी सहायता करें तथा इस हेतु उनको पर्याप्त समयोजनशीलता विकसित करने हेतु उपयुक्त अवसरों का सृजन करें।

**ग्रन्थ सूची**

[1]. Prasad, D. (1987). A study of relationship between professional duties and adjustment among teachers. Unpublished doctoral dissertation, University of Kurukshetra.

[2]. Wan, G. (1988). Techniques of structured problem solving among perspective teachers. Dissertation Abstract international, 27(2), 58.

[3]. Gupta, R., & Sharma, A. (1993). A study of adjustment of teachers of secondary and senior secondary teachers of Chandigarh region. (Vol. 2) sixth survey of educational research.

[4]. Gupta, R. (2004). A study of teacher's professional adjustment. Unpublished doctoral dissertation, Agra University.

[5]. Saffin, Y. (2003). A comparative study of adjustment of teachers teaching in blind schools and normal schools. Unpublished doctoral dissertation.

[6]. पाण्डेय, स. क. (2011). वित्तपोषित महाविद्यालयों के बी.एड. प्रशिक्षुकों के समायोजन का उनकी शिक्षण सक्षमता पर प्रभाव का अध्ययन. भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका, 1(2), 32-35.

[7]. रामावतार. (2014). विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक शैक्षिक संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों के व्यक्तित्व, समायोजन, मनोबल एवं कार्य संतोष का तुलनात्मक अध्ययन. अप्रकाशित शोध प्रबन्ध. राजस्थान विश्वविद्यालय.

[8]. Rai, P. (2001). A study of tension due to socio economic status and its impact on role playing and personality of teachers. Indian psychological review, 31(2), 87-89.

[9]. हसन, ए. (2011). विवाहित और अविवाहित कार्यशील महिलाओं में सामाजिक बुद्धि और आत्म बोध. अप्रकाशित शोध प्रबन्ध अलीगढ़ मुश्लिम विश्वविद्यालय.

[10]. स्वाती. (2019). सामाजिक सहयोग, जीवन सन्तुष्टि और अनुकरणीय व्यवहार पर धार्मिकता के प्रभाव का अध्ययन. अप्रकाशित शोध प्रबंध राजस्थान विश्वविद्यालय.

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 2, March 2024

[11]. Rathi, N. (2002). A study of social intelligence on professional self-competence. Unpublished doctoral dissertation, Kurukshetra University.

[12]. Kumar, S., & Patnaik, P. (2004). A study of oraganisational commitment, social intelligence, attitude towards work and job satisfaction. Journal of psychology, 1(3), 34-36.